101

301(ZG)

2020

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

ii) इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है ।

खण्ड - क

1. क) द्विवेदी युग के साहित्यकार हैं

i) बालकृष्ण भट्ट

ii) महादेवी वर्मा

iii) पद्म सिंह शर्मा

iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी । 1

VERTEXAL

ख) राम प्रसाद निरञ्जनी रचयिता हैं

i) मेरी असफलताएँ

ii) अम्बपाली

iii) भाषा योग वाशिष्ठ

iv) राजदीप । 1

ग) 'मेरी जीवन यात्रा' की विधा है

i) नाटक

ii) संस्मरण

iii) उपन्यास

iv) जीवनी । 1

घ) 'आनन्द कादम्बिनी' के सम्पादक हैं

i) मोहन राकेश

ii) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'

iii) नन्द दुलारे बाजपेयी

iv) जयशङ्कर प्रसाद । 1

ङ) हिन्दी गद्य के उत्कर्ष का सूर्योदय काल था

i) द्विवेदी युग

ii) भारतेन्दु युग

iii) शुक्ल युग

iv) स्वातन्त्र्योत्तर युग । 1

2. क) प्रगतिवादी युग के कवि हैं

i) जयशङ्कर प्रसाद

ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

iii) श्रीधर पाठक

iv) सरदार पूर्ण सिंह । 1

ख) महादेवी वर्मा की रचना है

i) सान्ध्य गीत

ii) पल्लव

iii) चाँद का मुँह टेढ़ा

iv) धूप के धान । 1

ग) 'तार सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है

i) 1954

ii) 1943

iii) 1938

iv) 1936. 1

VERTEXAL

घ) 'नई कविता' काव्य संकलन के सम्पादक हैं

i) रामेश्वर शुक्ल और डॉ० रामविलास शर्मा

ii) डॉ० जगदीश गुप्त और रामस्वरूप चतुर्वेदी

iii) बालकृष्ण शर्मा और रामधारी सिंह 'दिनकर'

iv) अज्ञेय और शिवमंगल सिंह 'सुमन' । 1

ङ) 'कश्मीर सुषमा' के रचयिता हैं

i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

ii) नागार्जुन

iii) मैथिलीशरण गुप्त

iv) श्रीधर पाठक । 1

3. क) निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

यह प्रणाम-भाव ही भूमि और जन का दृढ़ बन्धन है । इसी दृढ़ भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है । इसी चट्टान पर राष्ट्र का चिर जीवन आश्रित रहता है । इसी मर्यादा को मानकर

राष्ट्र के प्रति मनुष्यों के कर्त्तव्य और अधिकारों का उदय होता है । जो जन पृथिवी के साथ माता और पुत्र के सम्बन्ध को स्वीकार करता है, उसे ही पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है । माता के प्रति अनुराग और सेवाभाव पुत्र का स्वाभाविक कर्त्तव्य है । वह एक निष्कारण धर्म है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

ii) किस दृढ़ भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है ?

iii) किस मर्यादा को मानकर राष्ट्र के प्रति मनुष्यों के कर्त्तव्य और अधिकारों का उदय होता है ?

iv) किसे पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है ?

v) पुत्र का स्वाभाविक कर्त्तव्य क्या है ?

अथवा

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है । संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी, परिवर्तनशील और गतिशील है । उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है । वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं है । इसके लिए नये प्रयोगों की, नयी भाव-योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

ii) किसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है ?

iii) किसके कारण नयी सांस्कृतिक हलचलें उद्भुत होती हैं ?

iv) सांस्कृतिक हलचलें किसके लिए पर्याप्त नहीं हैं ?

v) किसके लिए नये शब्दों के खोज की महती आवश्यकता है ?

VERTEXAL

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5 × 2 = 10

व्यापक ब्रह्म सबै थल पूरन हैं, हमहूँ पहचानती हैं ।
पै बिना नँदलाल बिहाल सदा 'हरिचन्द' न ज्ञानहिं ठानती हैं ।
तुम ऊधौ यहै कहियो उनसों हम और कछू नहिं जानती हैं ।
पिय प्यारे तिहारे निहारे बिना अखियाँ दुखियाँ नहिं मानती हैं ।।

i) उपर्युक्त पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

ii) गोपियाँ भली प्रकार किसके विषय में जानती हैं ?

iii) सर्वव्यापक कौन है ?

iv) किसको छोड़कर किसे ज्ञान-चर्चा रुचिकर नहीं लगती ?

v) गोपियों की दुःखियाँ आँखें क्या स्वीकार नहीं करतीं ?

अथवा

VERTEXAL

हर-एक छाती में आत्मा अधीरा है,
प्रत्येक सुस्मित में विमल सदानीरा है,
मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक वाणी में
महाकाव्य-पीड़ा है ।

i) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

ii) संसार में प्रत्येक व्यक्ति की आत्मा में क्या है ?

iii) प्रत्येक व्यक्ति की मुस्कान किसके समान है ?

iv) प्रत्येक व्यक्ति की वाणी में क्या समाई हुई है ?

v) मैं क्या दे-देकर उस पीड़ा का स्रोत खोज रहा हूँ ?

5. क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक की जीवनी, साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं तथा भाषा-शैली का उल्लेख कीजिए : 3 + 2 = 5

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी

iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी ।

ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : 3 + 2 = 5

i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

iii) नरेन्द्र शर्मा ।

6\. कहानी के प्रमुख तत्वों के आधार पर 'कर्मनाशा की हार' **अथवा** 'बहादुर' कहानी की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 5

अथवा

'पञ्चलाइट' **अथवा** 'ध्रुवयात्रा' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

7\. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए ।

ग) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर सम्राट हर्षवर्धन का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ङ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए ।

च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

VERTEXAL

खण्ड - ख

8. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

क) यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात् । अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति । सा मैत्रेयी उवाच – येनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम् । यदेव भगवान् केवलममृतत्वसाधनम् जानाति, तदेव मे ब्रूहि । याज्ञवल्क्य उवाच – प्रिया नः सती त्वं प्रियं भाषसे । एहि, उपविश, व्याख्यास्यामि ते अमृतत्वसाधनम् ।

अथवा

यदा अयं षोडशवर्षदेशीयः आसीत् तदास्य कनीयसी भगिनी विषूचिकया पञ्चत्वं गता । वर्षत्रयानन्तरमस्य पितृव्योऽपि दिवंगतः । द्वयोरनयोः मृत्युं दृष्ट्वा आसीदस्य मनसि-कथमहं कथं वायं लोकः मृत्युभयात् मुक्तः स्यादिति चिन्तयतः एवास्य हृदि सहसैव वैराग्यप्रदीपः प्रज्वलितः । एकस्मिन् दिवसे अस्तंगते भगवति भास्वति मूलशङ्करः गृहमत्यजत् ।

ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

अभूत् प्राची पिङ्गा रसपतिरिव प्राप्य कनकं
गतच्छायश्चन्द्रो बुधजन इव ग्राम्यसदसि ।
क्षणं क्षीणास्तारा नृपतय इवानुद्यमपराः
न दीपा राजन्ते द्रविणरहितानामिव गुणाः ।।

अथवा

व्यतिषजति पदार्थानान्तरः कोऽपि हेतुः
न खलु बहिरुपाधीन् प्रीतयः सश्रयन्ते ।
विकसति हि पतङ्गस्योदये पुण्डरीकं
द्रवति च हिमरश्मावुद्गते चन्द्रकान्तः ।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए : 2 + 2 = 4

i) भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा च भाषा का अस्ति ?

ii) वसन्तकाले वृक्षाः कीदृशाः भवन्ति ?

iii) वैवस्वतः मनुः कः आसीत् ?

iv) भारत-चीन-देशौ कस्मिन् धर्मे निष्ठावन्तौ ?

10. क) करुण **अथवा** शान्त रस की परिभाषा देते हुए उसका एक उदाहरण भी दीजिए । 1 + 1 = 2

ख) अनुप्रास **अथवा** उत्प्रेक्षा अलंकार की परिभाषा देते हुए एक उदाहरण भी लिखिए । 1 + 1 = 2

ग) हरिगीतिका **अथवा** इंद्रवज्रा छन्द का लक्षण लिखते हुए एक उदाहरण का भी उल्लेख कीजिए । 1 + 1 = 2

11. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

i) जनसंख्या वृद्धि : समस्या और समाधान

ii) वन-सम्पदा

iii) साहित्य समाज का दर्पण है

iv) भारत में आतङ्कवाद : समस्या और समाधान

v) विज्ञान – वरदान है या अभिशाप ।

12. क) i) 'पवित्रम्' का सन्धि-विच्छेद है

अ) प + वित्रम्

ब) पौ + इत्रम्

स) पो + इत्रम्

द) पव + इत्रम् । 1

ii) 'योद्धा' का सन्धि-विच्छेद है

अ) यो + द्धा

ब) योध् + धा

स) युद्ध + द्धा

द) यूध् + धा । 1

iii) 'मनोरथ:' का सन्धि-विच्छेद है

अ) मनो + रथ:

ब) मन + ओरथ:

स) मनोर् + थ:

द) मनस् + रथ: । 1

ख) i) 'उपगङ्गम्' में समास है

अ) कर्मधारय समास

ब) तत्पुरुष समास

स) अव्ययीभाव समास

द) बहुव्रीहि समास । 1

ii) 'नीलाश्व:' में समास है

अ) कर्मधारय समास

ब) बहुव्रीहि समास

स) द्वन्द्व समास

द) तत्पुरुष समास । 1

VERTEXAL

13. क) i) 'जगति' रूप है 'जगत्' शब्द का

अ) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन । 1

ii) 'येषाम्' रूप है यद् (पुँलिङ्ग) शब्द का

अ) प्रथमा विभक्ति, बहुवचन

ब) तृतीया विभक्ति, एकवचन

स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

द) चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन । 1

ख) 'दत्थः' **अथवा** 'नेष्यामः' का धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए : $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}+\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=2$

ग) i) 'करणीयः' शब्द में प्रत्यय है

अ) अनीयर्

ब) क्त्वा

स) तव्यत्

द) क्त । 1

ii) 'प्रभुत्व' शब्द में प्रत्यय है

अ) मतुप्

ब) त्व

स) वतुप्

द) अनीयर् । 1

घ) रेखांकित पदों में से किसी **एक** पद में विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए : 1 + 1 = 2

i) <u>विद्यालयं</u> निकषा जलाशयः अस्ति ।

ii) सुरेशः <u>शिरसा</u> खल्वाटः ।

iii) <u>प्रजाभ्यः</u> स्वस्ति ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2 + 2 = 4

i) गुरुजी छात्र से प्रश्न पूछते हैं ।

ii) पिता पुत्र के साथ जाता है ।

iii) छात्र घर से आते हैं ।

iv) कवियों में कालिदास श्रेष्ठ हैं ।

VERTEXAL